भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 3865

उत्तर देने की तारीख : 06.04.2022

लॉकडाउन के दौरान मध्याह्न भोजन को घर पहुंचाया जाना

3865 श्री मल्लिकार्जुन खरगेः

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान मध्याह्न भोजन योजना (एमडीएमएस) और प्रधानमंत्री-पोषण योजना के लिए कुल बजटीय आवंटन कितना है;
(ख) कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण विद्यालय बंद रहने के दौरान कुल कितने छात्रों को मध्याह्न भोजन घर पहुंचाया गया है; और
(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान इन दो योजनाओं के अंतर्गत शामिल किए गए छात्रों की कुल संख्या कितनी है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) : सरकार ने सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पात्र बच्चों को गर्म पका हुआ भोजन प्रदान करने के लिए वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक केंद्र प्रायोजित योजना 'प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम पोषण)' को मंजूरी दे दी है, जिसे पहले 'स्कूलों में राष्ट्रीय मध्याह्न भोजन कार्यक्रम' के रूप में जाना जाता था। पिछले पांच वर्षों के लिए योजना के तहत आवंटित / जारी की गई धनराशि निम्नानुसार है::

(रू. करोड़ में)

वर्ष	आवंटित/जारी की गई निधि
2016-17	9483.4
2017-18	9095.81
2018-19	9518.08
2019-20	9705.94
2020-21	12882.11

(ख): कोविड-19 महामारी के दौरान, चूंकि स्कूल बंद थे, सभी नामांकित बच्चों को खाद्य सुरक्षा भत्ता दिया जाता है, जिसमें वर्ष 2020-21 और 2021-22 के दौरान राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों द्वारा खाद्यान और सूखे राशन के रूप में खाना बनाने की लागत देना या खाना पकाकने की लागत का नकद प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) करना शामिल है। इस अवधि के दौरान 11.20 लाख विद्यालयों में पढ़ाई कर रहे लगभग 11.80 करोड़ बच्चे इस योजना के अंतर्गत लाभान्वित हुए हैं। अब, राज्य उत्तरोत्तर स्कूलों को फिर से खोल रहे हैं और गर्म पके भोजन का प्रावधान फिर से शुरू किया जा रहा है।

(ग): पिछले पांच वर्षों में इस योजना के तहत नामांकित छात्रों की संख्या निम्नानुसार है:-

वर्ष	नामांकित छात्र
2016-17	12,93,29,887
2017-18	12,32,62,644
2018-19	12,03,53,729
2019-20	11,98,44,516
2020-21	11,80,16,530

*****